Raj Express (Indore), 17th November 2025, Page - 04

प्रशिक्षण के बाद रोजगार मिलेगा, शुरू कर सकेंगे स्वयं का व्यवसाय

इंदौर / राज न्यूज नेटवर्क

जनजाति के छात्रों के कौशल विकास के लिए एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम इलेक्ट्रॉनिक टॉय डिजाइन कोर्स की शुरुआत की गई। इस कोर्स को विशेष रूप से भगवान बिरसा मुंडा सेल आईआईटी दिल्ली, सीआरडीटी आईआईटी इंदौर व जीएसआईटीएस ने इस तरह से तैयार किया है जिससे छात्रों को इसे पूरा करने पर रोजगार मिल सके और वह स्वयं का व्यवसाय शुरू कर सके। यह कोर्स पूरी तरह भारत सरकार के जनजाति मंत्रालय द्वारा प्रायोजित है। कोर्स के उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भोज विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. मिलिंद दांडेकर ने कहा इस तरह के कोर्स निश्चित ही जनजाति के विद्यार्थियों में स्वा का भाव जाग्रत करेंगे और उन्हें स्व रोजगार करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। इससे जनजाति क्षेत्र से पलायन को रोका जा सकता है। इस अवसर पर जीएसआईटीएस के निदेशक प्रो. नीतेश पुरोहित, प्रो. विवेक कुमार आईआईटी दिल्ली, प्रो. संतोष विश्वकर्मा, प्रो. देवयान सरकार आईआईटी इंदौर उपस्थित थे। कोर्स के संयोजक डॉ कृष्णकांत धाकड़ सहायक प्रोफेसर एसजीएसआईटीएस ने बताया कोर्स में झांबुआ, हरसूद और धार पॉलिटेक्निक कॉलेज के 35 छात्रों ने पंजीयन कराया है।